तापमान

अधिकतम 41.0 डिग्री

न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, रविवार 26 अप्रैल 2026

13 ब्राह्मण समाज सनातन संस्कृति का आधार : गणेश शंकर मिश्रा

14 पारा 41 डिग्री के पार, लू और बीमारियों का बढ़ा खतरा

खबर संक्षेप

धनराज बने जिला उपाध्यक्ष

नवापारा-राजिम। पार्टी के वरिष्ठ नेता नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी को रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। उनकी इस नियुक्ति पर पार्टी के

वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने इसे संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया है। इस अवसर पर पीसीसी के पूर्व चीफ धनेंद्र साहू, नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष संध्या राव, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सौरभ शर्मा, पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष जीत सिंग, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व महामंत्री राजा चांवला, मंगराज सोनकर,रेखा तिवारी, दीपाली राजपूत, चतुर जगत सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्री मध्यानी को शुभकानाएं दी है। सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके अनुभव और सक्रियता से संगठन को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी।

अभनपुर बस स्टैंड में रक्तदान शिविर 27 को

अभनपुर। स्वर्गीय नितेश सिन्हा की जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एवं मित्र गण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 27 अप्रैल को अभनपुर बस स्टैंड में रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया है। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि स्व. नितेश सिन्हा, जो संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष रहे, ने संगठन एवं समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य किए थे। उनकी स्मृति और समाजसेवा को सम्मान देने के उद्देश्य से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

बाइक सवारों से गांजा बरामद

महासमुंद। ग्राम साल्हेझरिया नाका के पास बसना पुलिस ने बाइक सवारों के कब्जे से गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि 24 अप्रैल को ग्राम साल्हेझरिया नाका में वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति एक बैग में कुछ संदिग्ध सामान लाते दिखा और पुलिस को देखकर हड़बड़ाकर मोटर सायकल को मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम मनोज साहू पिता बिशीकेशन साहू (26 साल) ठाकुरदिया डाभा थाना झारबंद जिला बरगढ़ ओडिशा, और पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुनील बाग पिता महेंद्र बाग (22 साल) ठाकुरदियाडाभा थाना झारबंद जिला बरगढ़ ओडिशा होना बताया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से 1.080 किग्रा गांजा कीमती 54,000 रुपए और बाइक कीमत 30,000 रुपए कुल 84,000 रुपए को बरामद किया गया।

बोरसी में 30 साल पुराना मनोरंजन भवन बना खंडहर, नए भवन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

ग्राम बोरसी में मनोरंजन भवन की जर्जर हालत व जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण यह जर्जर भवन अपनी बदहाली के आंठ आठ आंसू रो रहा है। वहीं पर इंतजार भी कर रहा है कि कोई तो शूरवीर इस भवन को सुधार कर विकास का अमली जामा पहनाएगा। शासन से ग्रामीणों ने की मांग की है नए भवन के लिए राशि स्वीकृत कर विकास को गति दे। जानकारी के अनुसार सन 1995 में तत्कालीन सरपंच गणेश सिंह ठाकुर के कार्यकाल में इस भवन का निर्माण किया गया था। ग्रामीणों के लिए बनाया गया मनोरंजन भवन आज सरकारी उपेक्षा के कारण खंडहर बन चुका है। पिछले 30 वर्षों से एक बार भी मरम्मत न होने के कारण यह भवन अपनी बदहाली का आंसू रो रहा है और अब ग्रामीणों के लिए सुविधा के बजाय सिरदर्द बन गया है। कभी जिस भवन में ग्रामीण टेलीविजन देखने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जुटते थे, वह आज देखरेख के अभाव में जर्जर हो चुका है। शाम ढलते ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगा है।

उपेक्षा के चलते असामाजिक तत्वों का बना अड्डा

अब होगी ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया

इस गंभीर समस्या को लेकर पंचायत सचिव कोमल साहू का कहना है कि ग्रामीणों की मांग और भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए आगामी पंचायत बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस खस्ताहाल भवन को नियमानुसार डिस्मेंटल (ध्वस्त) करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके पश्चात उस स्थान पर ग्रामीणों की आवश्यकतानुसार सार्वजनिक शौचालय या अन्य किसी उपयोगी भवन के निर्माण का नया प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा जाएगा। फिलहाल, ग्रामीण इस कचरा घर बन चुके भवन से जल्द निजात पाने की उम्मीद लगाए बैठे है। पिछले पंचवर्षीय योजना के दौरान इस जर्जर भवन को तोड़कर नया सामुदायिक भवन बनाने के लिए राशि स्वीकृत हुई थी। हालांकि, स्थानीय निवासियों द्वारा यहां शौचालय निर्माण की मांग की गई, जबकि प्रशासन ने अटल बाजार परिसर में शौचालय बनवा दिया।

निरीक्षण : स्पॉट में निरीक्षण के दौरान अफसरों से कहा- समय सीमा में हो पूरा काम

विधायक साहू ने लिया विकास कार्यों का जायजा, अधिकारियों को दी डेडलाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

विधायक रोहित साहू शनिवार को सुबह 8 बजे ही बुलेट मोटरसायकल में शहर में हो रहे विकास कार्यो का मौका निरीक्षण के लिए निकल गए। नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव के साथ जब वे निकले तो लगभग पालिका के अधिकांश पार्षद, सीएमओ और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी साथ थे। चिलचिलाते धुप और तेज गर्मी के बीच दोपहर पौने 1 बजे तक वे शहर के विभिन्न हिस्सो में चल रहे कार्यो का न केवल निरीक्षण किया बल्कि स्थानीय जनप्रतिनिधियो के बीच संबंधित अफसरों से साफ-साफ कहा कि जितने भी काम चल रहा है ये विकास के दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। ये काम पूरी ईमानदारी और तत्परता दिखाते हुए बारिशकाल के पहले समयसीमा में पूरी करें। मौके पर मौजूद अफसरों ने हामी भरी और कहा कि सारे काम गुणवत्तापूर्ण हो रहे है जिसका निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। विधायक श्री साहू निवास स्थान से चलकर पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक होते हुए सीधे महानदी के सोनतीर्थ घाट पहुंचे जहां पिण्डदान के लिए बन रहे भव्य संस्कार भवन का निरीक्षण किया। यहां सीएमओ संतोष विश्वकर्मा की मौजूदगी में संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिया कि काम जल्द पूरा हो।

मानसून से पहले काम पूरा करें

सोनतीर्थ घाट से निकलकर विधायक श्री साहू काफिला के साथ महानदी में चलते हुए लक्ष्मण झूला स्थल ▶▶| शेष पेज 13 पर

राजिम को बनाएंगे सुंदर और व्यवस्थित नगर

मौके पर मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए विधायक साहू ने कहा कि नदी और तालाब के बीच पार को समतल कर यहां एक आकर्षक चौपाटी विकसित करे जिससे राजिम की सुंदरता में चार चांद लगे जो नागरिकों के लिए यह स्थान मनोरंजन और विश्राम का प्रमुख केंद्र बनेगा। विधायक रोहित साहू ने यहां पर उपस्थित पत्रकारो से चर्चा करते हुए कहा कि राजिम को एक सुंदर, सुव्यवस्थित और सुविधायुक्त नगर के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और समयसीमा के साथ पूर्ण करना प्राथमिकता है, ताकि आम जनता को उसका सीधा लाभ मिल सके। इस निरीक्षण दौरे से साफ है कि क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर विधायक रोहित साहू गंभीर है जिससे आने वाले समय में राजिम शहर को एक नए स्वरूप में देखा जा सकेगा।

भेंडरी-रवेली पुल का भूमिपूजन 27 को

कोपरा। ग्राम पंचायत रवेली के ग्राम प्रमुखों एवं जनप्रतिनिधियों ने राजिम विधायक रोहित साहू से उनके निवास स्थान राजिम में सौजन्य मुलाकात कर बधाई प्रेषित किया। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोहित साहू की अनुशंसा पर राज्य शासन द्वारा ग्रामीणों की वर्षो पुरानी मांगों पर मुहर लगाते हुए करोड़ों की विकास कार्यों की सौगात प्रदान करने क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विधायक की पहल पर भेंड्री- रवेली पुलिया निर्माण की स्वीकृति 5 करोड़ 32 लाख 79 हजार रुपए की लागत से 100 मीटर लंबे उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जायेगा। जिसका भूमिपूजन कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोहित साहू के हाथों 27 अप्रैल दिन सोमवार को शाम 04 बजे संपन्न किया जाना है। बता दे कि भेंड़री-रवेली मार्ग पर स्थित वर्तमान पुल की ऊंचाई कम होने के कारण ग्रामीणों सहित क्षेत्र वासियों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों के लिए नए पुल निर्माण किसी सपने से कम नहीं, ग्रामीणों के द्वारा विगत कई वर्षो से नए उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग की जा रही थी, ग्रामीणों के लिए नए पुलिया का बनना किसी यादगार पल से कम नहीं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार किशोर को रौंदा, मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

अभनपुर-राजिम मार्ग पर स्थित रामभरोसा ढाबा के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सामान खरीदकर लौट रहे एक 14 वर्षीय किशोर की ट्रक की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मृतक श्रीराम नगर निवासी टाकेश्वर साहू है, जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टोकरो में पदस्थ शिक्षक रुमलाल साहू का पुत्र था। इस असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक टाकेश्वर साहू (14) शनिवार सुबह अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 04 सीयू 3254) से अभनपुर सामान खरीदने गया हुआ था। खरीदारी के बाद जब वह वापस घर लौट रहा था, तभी सुबह करीब 11 बजे राजिम रोड स्थित रामभरोसा ढाबा के पास यह हादसा हुआ।

बताया जा रहा है कि राजिम की ओर से आ रहे ट्रक (क्रमांक सीजी 04 जेडी 1866) के चालक ने वाहन को अत्यंत तेज गति और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टाकेश्वर की मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि किशोर के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह सड़क पर गिर पड़ा।

हादसे की सूचना मिलने पर परिजन तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। 108 एंबुलेंस की मदद से टाकेश्वर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अभनपुर ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मेधावी छात्र और शिक्षक के पुत्र की इस असामयिक मृत्यु ने न केवल उनके परिवार को बल्कि टोकरो और अभनपुर के पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

उदंती अभ्यारण्य में विचरण करते हिरण का झुंड

मैनपुर। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व मे अवैध अतिक्रमण हटने के बाद वातावरण पहले से बेहतर होने के कारण अब आसानी से नदी नाले पोखर और सड़क किनारे हिरण, सांभर, चितल का झुंड विचरण करते नजर आ रहा है। यह खुबसूरत तस्वीर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व का है।

मुहूर्त की भरमार से बुकिंग के लिए मची होड़, बैंड-बाजे और कैटरिंग के बढ़े नखरे

अप्रैल के अंतिम सप्ताह में शादियों की भरमार, गांव-गांव सजे मंडप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

■ एडवांस के बाद भी बुकिंग की मुश्किल

अप्रैल माह का अंतिम सप्ताह गरियाबंद अंचल के लिए खुशियों का महाउत्सव लेकर आया है। इन दिनों पूरा जिला 'शादी-मय' हो गया है। एक के बाद एक पड़ रहे शुभ मुहूर्तों के कारण गांवों से लेकर शहरों तक शादियों की जबरदस्त धूम है। बैंड-बाजे की थाप, डीजे की धुन और बारातों की आवाजाही से पूरा इलाका गुलजार है। हालांकि, शादियों की इस भीड़ ने जहां रौनक बढ़ाई है, वहीं व्यवस्था संभालने वाले संचालकों के 'नखरे' और भारी डिमांड ने परिवारों का बजट भी बिगाड़ दिया है। अधिक शुभ मुहूर्त एक साथ पड़ने के कारण शादियों की संख्या में अचानक भारी उछाल आया है। आलम यह है कि कैटरिंग, डेकोरेशन, घोड़ी और बैंड-बाजा संचालकों के पास फुर्सत नहीं है। जो परिवार बुकिंग के लिए पहले पहुंच रहे हैं, उन्हें ही सेवा मिल पा रही है। स्थिति इतनी चुनौतीपूर्ण है कि एडवांस देने के बाद भी कई लोग अपनी मनचाही तारीख पर पसंदीदा व्यवस्था पाने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। सीजन पीक पर होने का सीधा असर शादी के बजट पर पड़ रहा है। बैंड पार्टियां अपनी फीस बढ़ा चुकी हैं, साथ ही बारातियों और परिजनों की डिमांड भी आसमान छू रही है। कहीं लग्जरी वाहनों की मांग है, तो कहीं खास तरह के डीजे सिस्टम की जिद। आयोजकों का कहना है कि सीजन की इस भीड़ ने न केवल खर्च बढ़ा दिया है, बल्कि सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी खींचतान बढ़ा दी है।

ग्रामीण बनाम शहरी रौनक- शादियों के इस माहौल में संस्कृति और आधुनिकता का संगम भी देखने को मिल रहा है। ग्रामीण इलाकों में 'गाड़ा बाजा' और डीजे की धूम है, जहां युवा देर रात तक पारंपरिक गीतों और आधुनिक धुनों पर थिरक रहे हैं। वहीं, शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक बैंड-बाजे के साथ आधुनिक डीजे का फ्यूजन (मिश्रण) देखने को मिल रहा है। सड़कों पर एक साथ कई-कई बारातें निकलने से ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति भी बन रही है, लेकिन खुशियों के माहौल में लोग इसे सहजता से ले रहे हैं।

बजट पर भारी पड़ रहा सीजन- शादी के सीजन में बढ़ी महंगाई और सेवाओं की ▶▶| शेष पेज 13 पर

समर्पण करने वाले सभी नक्सलियों का होगा सत्यापन, पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में आत्मसर्मपण करने वाले नक्सलियों का अब सत्यापन होगा। खास बात ये है कि इस काम के लिए राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को अधिकृत किया है।

सत्यापन के दौरान समर्पितों द्वारा दी गई जानकारी का ब्योरा तैयार किया जाएगा। मार्च में छतीसगढ़ को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन इससे पहले राज्यभर में करीब 2700 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में वामपंथी उग्रवाद के खात्मे और नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार के गृह विभाग (सी-अनुभाग) द्वारा जारी इस नवीन आदेश के तहत, अब नक्सल प्रभावित जिलों के जिला पुलिस अधीक्षकों को आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी और विवरण को लेखबद्ध करने तथा उसे अद्यतन (अपडेट) करने के लिए आधिकारिक रूप से नामांकित किया गया है।

केंद्र सरकार के निर्देश का करेंगे पालन

यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व में जारी (2013 एवं 2022) नक्सलियों के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्ययोजना के दिशा-निर्देशों के परिपालन में लिया गया है। केंद्र सरकार की नीति के बिंदु 6.2 के अनुसार, कोई भी नक्सल कैडर जिला मजिस्ट्रेट, एसपी, रेंज डीआईजी, या अन्य अधिसूचित अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए स्वतंत्र है।

पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

राज्य में नक्सलियों के सत्यापन के पीछे वजह ये है कि समर्पण करने वाले नक्सलियों के पूर्ववृत यानि उनके पिछले जीवन की जानकारी ली जाएगी। आत्मसमर्पित माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी को निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर संबंधित अधिकारियों को भेजा जाएगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दी गई जानकारी का संबंधित निकायों से सटीक सत्यापन कराया जाए। जानकारों का मानना है कि जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षकों को सीधे तौर पर विवरण अपडेट करने के लिए नामांकित करने से पुनर्वास योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक जल्द पहुंच सकेगा और छद्म आत्मसमर्पण जैसी स्थितियों पर लगाम लगेगी।

तीन साल में 2700 से अधिक ने किया है समर्पण

छत्तीसगढ़ में पिछले तीन वर्षों (2024 से 2026 तक) के दौरान नक्सल मोर्चे पर आत्मसमर्पण के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी गई है। आधिकारिक आंकड़ों और रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी 2024 से लेकर मार्च 2026 के शुरुआती सप्ताह तक प्रदेश में 2,714 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। इनमें से अकेले बस्तर संभाग में जनवरी, 2024 से मार्च, 2026 के बीच 2,625 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। वर्षवार आंकड़ों पर गौर करें तो 2024 में कुल 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर लगभग 1,973 (अक्टूबर तक के आंकड़ों सहित) तक पहुंच गई।

इनामी नक्सली से लेकर नेता और महिलाएं भी

आत्मसमर्पण करने वालों में बड़े कैडर के नेताओं से लेकर निचले स्तर के सदस्य तक शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर, मार्च 2026 में एक साथ आत्मसमर्पण करने वाले 108 नक्सलियों में 6 डिवीजनल कमेटी सदस्य (जिन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था), 3 कंपनी प्लाटून कमेटी कमांडर, 18 प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, 23 एरिया कमेटी सदस्य और 56 साधारण पार्टी सदस्य शामिल थे। महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो मार्च 2026 की एक बड़ी घटना में आत्मसमर्पण करने वाले 15 नक्सलियों में से 9 महिलाएं थीं। इसके अतिरिक्त, 2025 के अंत तक समर्पण करने वालों में 10 वरिष्ठ ऑपरेटिव भी शामिल थे, जिनमें से एक पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था।

खबर संक्षेप

कांग्रेस का बिजली दफ्तर में प्रदर्शन

रायपुर। प्रदेश के कई जिलों में पॉवर कंपनी के अधिकारियों द्वारा बिजली बिल का पैसा जमा करने के स्थान पर गबन कर लिया गया है। इस मामले में कांग्रेस ने शुक्रवार को डगनिया के पॉवर कंपनी के दफ्तर में जमकर प्रदर्शन किया और एमडी के सामने मांग रखी कि इस गबन के 20 करोड़ रुपए की पूरी वसूली अधिकारियों से की जाए। इसी के साथ अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाए। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे से बताया पॉवर कंपनी के अधिकारियों ने आम जनता के पैसों को डकारने का काम किया है। जहां कवर्धा में खेलीडीह में 20 लाख की गड़बड़ी पाई गई है, वहीं शिवरीनारायण के मस्तूरी में 6 करोड़, अंबिकापुर में 3.6 करोड़, बिलासपुर में दो करोड़, राजनांदगांव में डेढ़ करोड़ सहित अलग-अलग स्थानों में 20 करोड़ रुपए की गड़बड़ी अधिकारियों ने की है।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान : शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद जनता को पूरे 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती हो रही है।

ढाई साल में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे के लिए बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति और भयावह हो जाती है, घंटों बिजली गुल हो जाती है। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रही है।

पानी-सफाई-सड़क के मुद्दे पर भाजपा चुप, विशेष सभा के बहाने राजनीति

रायपुर। पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर पर महिला सशक्तिकरण के विषय पर बुलाई जा रही विशेष सामान्य सभा को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विशेष सामान्य सभा का उद्देश्य आपातकालीन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना होता है, लेकिन वर्तमान में इसका उपयोग राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
श्री ढेबर ने सवाल उठाया कि शारदा चौक–तात्यापारा चौक सड़क चौड़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित मुद्दे पर, जिसकी मांग सभी दलों के पार्षदों ने की है, उस पर विशेष सामान्य सभा क्यों नहीं बुलाई गई? वहीं शहर में पानी, सफाई और गर्मी से राहत जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा से बचा जा रहा है।

गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अहम

सीएम साय बोले- पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव कर रहे मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। श्री साय ने कहा, उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं।

बिजली बिल बकाया समाधान योजना का उठाएं लाभ

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा, पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा, इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से सुशासन तिहार के आयोजन और इसके माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया, मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए विशेष अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया गया है और अतिरिक्त रियायत का भी प्रावधान है। श्री साय ने प्रतिनिधियों से इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को दिलाने की बात कही। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, हमारी डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

दो को दी ई-रिक्शा की चाबी

इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट अजा के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दीदियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी। साथ ही प्रोजेक्ट आरोग्यम के कटआउट और प्रोजेक्ट हैंडी के तहत शासन की योजनाओं की संक्षिप्त पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित इन गतिविधियों से आमजनों को हो रहे व्यापक लाभ के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन समेत त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक वाहन के भरोसे 12 गांव-दर्जनों कालोनियां विद्युत बंद की शिकायतों पर छूटा विभाग का पसीना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर जिले के सेजबहार विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम शामिल हैं। इन ग्राम क्षेत्रों में अब दर्जनों कालोनियां भी बस चुकी हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में विद्युत वितरण केंद्र में न ही स्टॉफ की बढ़ोतरी की जा रही है और न ही जरूरत के साधन बढ़ाए जा रहे हैं। इसके कारण इन ग्रामों एवं कालोनियों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों का त्वरित निदान भी नहीं किया जा रहा है। कई बार तो ग्रामों के कई इलाके एवं कालोनियों में शिकायत मिलने के बाद भी स्टॉफ पहुंच नहीं पाता, जिसके कारण इस भीषण गर्मी के दिनों में कई परिवारों को दोपहर में कई घंटों तक तो कभी रातभर बिना बिजली के रहना पड़ता है। इस क्षेत्र के निवासी एवं जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने जनहित से जुड़े इस मामले में विद्युत विभाग के अफसरों से क्षेत्र के विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ एवं साधन बढ़ाने के साथ सेजबहार को जोन बनाने की मांग की है।

8 कर्मचारी कार्यरत, इनमें 4 लाइन स्टॉफ

क्षेत्र के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सेजबहार स्थित वितरण केंद्र में लगभग 7 से 8 स्टॉफ कार्यरत है। इनमें 4 लाइनमैन स्टॉफ है, जिसमें से 3 संविदा पर कार्यरत हैं। स्टॉफ की तुलना में वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम हैं, लेकिन इन ग्रामों में तथा आसपास लगभग 20 से 25 कालोनियां बन चुकी हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र की आबादी भी बहुत बढ़ गई है। बढ़ी आबादी के अनुसार विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ के साथ साधन की बहुत कमी है, जिसका असर इस क्षेत्र में रहने वालों लोगों को परेशान होना पड़ता है। बिजली बंद की शिकायत करने के बाद भी कई घंटों के बाद विभाग की टीम उसे सुधारने के लिए पहुंच रही है। कई बार तो देर रात में बिजली बंद होने पर टीम ही नहीं पहुंचती है, जिसके कारण दूसरे दिन उस गांव या कालोनी में बिजली की आपूर्ति शुरू हो पाती है। संदीप यदु ने इस मामले को जिला पंचायत के सामान्य सभा में भी उठाते हुए मांग रखी की। इस समस्या का जल्द से जल्दा निराकरण किया जाए।

न्यू एज मीडिया में दक्ष बनें जनसंपर्क अधिकारी : बंसल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने ली बैठक

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित संवाद कार्यालय में जनसंपर्क संचालनालय और जिला जनसंपर्क अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क अधिकारियों को न्यू एज मीडिया की सभी विधाओं में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीक और संचार के नए माध्यमों को अपनाना ही प्रभावी जनसंपर्क की कुंजी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसंपर्क का कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की कोताही से बचना जरूरी है। जनसंपर्क अधिकारी शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि परिणाम के अनुरूप हर अधिकारी के कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में विभागीय सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिले के कलेक्टरों के साथ नियमित संपर्क और समन्वय बनाएं। इससे सूचनाओं का समयबद्ध और प्रभावी आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा, जो शासन की योजनाओं के सही क्रियान्वयन और प्रचार के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मीडिया से रखें सतत संपर्क

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ सतत संपर्क और समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि योजनाओं की उपलब्धियों और प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। जनसंपर्क आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी सक्रिय और जिम्मेदार तरीके से कार्य करें ताकि शासन की योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। वहीं उन्होंने प्रचार-प्रसार कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन जिला जन संपर्क अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में अपर संचालक उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव और हर्षा पौराणिक सहित संचालनालय और जिलों के जिला जनसंपर्क अधिकारी मौजूद थे।

पाण्डुका के प्रतीक्षालय में पार्किंग से यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पाण्डुका

नेशनल हाईवे-130 से लगा पाण्डुका बस स्टैंड इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा का बड़ा केंद्र बना हुआ है। एक ओर जहां व्यस्ततम इस मार्ग से जिम्मेदार अधिकारी रोजाना अपनी वातानुकूलि गाड़ियों में ठाट से गुजरते हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क किनारे बना यात्री प्रतीक्षालय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यात्रियों के रुकने और आराम करने के लिए बनाया गया यह स्थान अब वाहनों की मरम्मत और पार्किंग का अड्डा बन चुका है।

बस स्टैंड, पाण्डुका तालाब के पास यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया था, ताकि राहगीरों को धूप-छांव में रुकने की जगह मिल सके। लेकिन वर्तमान में यह प्रतीक्षालय यात्रियों के लिए न होकर, रिपेयरिंग करने वाले लोगों के लिए वाहन पार्किंग स्थल बन गया है। आलम यह है कि यहां यात्रियों के लिए जगह ही नहीं बचती। सड़क किनारे स्थित होने के बावजूद इसका लाभ राहगीरों को शून्य के बराबर मिल रहा है।पाण्डुका में व्यवसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, दुकानें बढ़ रही हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं का टोटा बरकरार है। राहगीरों और स्थानीय लोगों को पीने के पानी तक की सुविधा मयस्सर नहीं है। यात्रियों को अपनी प्यास बुझाने के लिए परिचितों के घरों या होटलों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। यहां तक कि स्थानीय दुकानदारों को भी पीने के पानी के लिए अपने घरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह स्थिति क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

विरोध के बाद भी सुस्त इंतजाम- क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य के मद्देनजर सार्वजनिक शौचालय और मूत्रालय की मांग लंबे समय से की जा रही थी। भारी विरोध और ग्रामीणों के दबाव के बाद तालाब के किनारे मामूली जगह को शौचालय के लिए आरक्षित तो किया गया, लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। सुविधाओं के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई है, जिससे आम लोगों, विशेषकर महिलाओं को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

25 साल में आयोजित हुए 75 सत्र, कई छोटी विधानसभाओं से ज्यादा चर्चा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 साल में 15 सौ घंटे से ज्यादा बजट चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा ने हाल ही में अपना रजत जयंती वर्ष मनाया है। इन 25 वर्षों के सफर में विधानसभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। गर्भगृह में जाने पर सदस्यों के स्वयं निलंबन के नियम के कारण देशभर में छत्तीसगढ़ विधानसभा की चर्चा तो है ही, अब बजट चर्चा के मामले में भी छत्तीसगढ़ विधानसभा कई छोटी विधानसभाओं से आगे है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 बरसों में आम बजट और पूरक बजट पर 1527 घंटे से ज्यादा चर्चा हुई है, यह 63 दिन के बराबर है।

राज्य स्थापना के बाद पहले सत्र से लेकर दिसम्बर में आयोजित पिछले सत्र तक यानी 25 बरसों में छत्तीसगढ़ विधानसभा के 75 सत्र आयोजित हो चुके हैं। इन सत्रों के दौरान सरकार द्वारा पेश आम एवं पूरक बजटों पर विस्तार से चर्चा हुई है। ज्यादातर छोटी विधानसभाओं में कम चर्चा के बाद ही बजट पारित कर दिए जाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ विधानसभा में विभागवार मांगों के बाद ही बजट पारित किए गए हैं। हर सत्र में पेश होने वाले पूरक बजट पर भी 3-4 घंटे से कम चर्चा कभी नहीं हुई।

किस विधानसभा में बजट पर कितनी चर्चा

प्रथम विधानसभा -	8 सत्र	- 126.63 घंटे
द्वितीय विधानसभा-	14 सत्र	- 340.57 घंटे
तृतीय विधानसभा-	13 सत्र	- 351.34 घंटे
चतुर्थ विधानसभा-	17 सत्र	- 364.04 घंटे
पंचम विधानसभा-	17 सत्र	- 202.80 घंटे
षष्ठम विधानसभा-	6 सत्र	- 141.67 घंटे

डॉ. रमन के सीएम-वित्त मंत्री रहने के दौरान ज्यादा चर्चा

राज्य में द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान बजट पर ज्यादा चर्चा हुई है। द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्त मंत्री भी रहे। इन्हीं तीनों विधानसभाओं में ही बजट पर ज्यादा चर्चा हुई। तीनों कार्यकाल में सदन में एक हजार घंटे से ज्यादा चर्चा हुई। प्रथम विधानसभा के 3 साल में बजट पर सबसे कम सिर्फ 126 घंटे ही चर्चा हो पाई थी।

सिर्फ एक बार गिलोटिन से बजट पारित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास में सिर्फ एक बार ही गिलोटिन से बजट पास करने की नौबत आई थी। पंचम विधानसभा में मार्च 2020 के बजट सत्र में कोरोना संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बिना चर्चा के ही बजट पारित किया गया था। वैसे पंचम विधानसभा के पांच वर्षों में ही सबसे कम सिर्फ 202.80 घंट ही चर्चा ही हुई थी।

25 बरसों में 4 हजार घंटे कुल चर्चा

प्रथम से लेकर षष्ठम विधानसभा तक 25 बरसों में बैठकों में कुल करीब 4 हजार घंटे की चर्चा हुई। यह भी छोटी विधानसभा की तुलना में काफी ज्यादा है। इसमें भी सबसे ज्यादा 933 घंटे की चर्चा द्वितीय विधानसभा में हुई थी, जबकि तृतीय और चतुर्थ विधानसभाओं में बैठकों पर क्रमशः 836 और 845 घंटे चर्चा कार्यसूची के सभी विषयों पर हुई। प्रथम विधानसभा के 3 वर्षों में करीब 538 घंटे चर्चा हुई थी।

डिजिटल बैरियर की मांग पर अड़े प्राध्यापक, वजह-असुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में आयोजित शिक्षक संघ की बैठक में अध्ययनशाला में कार्यरत प्राध्यापकों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। विवि परिसर में बाहरी तत्वों के बढ़ते प्रवेश और नियमित अंतराल में निर्मित हो रही विवाद की स्थिति को देखते हुए डिजिटल बैरियर की मांग की जा रही है। इसके अंतर्गत प्राध्यापकों के गाड़ी के नंबर सिस्टम में अपलोड किए जाएंगे। डिजिटल बैरियर रजिस्टर्ड नंबर वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति प्रदान करेगा, जबकि अन्य वाहनों को रोके जाने के बाद पूछताछ और आईडी दिखाए जाने पश्चात ही प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.जितेंद्र प्रेमी ने कहा कि एनआईटी सहित कई राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में इस तरह की व्यवस्था है। इस तर्ज पर रविवि में भी यह व्यवस्था की जानी चाहिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अध्यक्ष सहित प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक शामिल हुए।

कैंपस में गाड़ी चलाना सीखते हैं लोग

शिक्षक संघ का कहना है कि रविवि कैंपस में सुबह और देर शाम-रात के दौरान बाहरी व्यक्ति गाड़ी चलाना भी सीखते हैं। रहवासी कॉलोनी में प्राध्यापक अपने परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में उनके साथ दुर्घटना का भय हर वक्त बना रहता है। इस संदर्भ में दिशा-निर्देश कई बार जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कभी भी कड़ाई से इनका पालन नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

पेंडिंग मामलों पर जूडा आंदोलन के मूड में

रायपुर। सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों का अलग कैडर, पीजी डाक्टरों के स्टाईपेंड और अनुबंधित डाक्टरों के वेतन पर एक बार फिर असंतोष का माहौल बनने लगा है। इसे लेकर एक बार फिर आंदोलन का मूड बनता जा रहा है। सीजीडीएफ के अध्यक्ष डा. हीरा सिंह ने बताया कि महंगाई बढ़ी, जिम्मेदारियाँ बढ़ीं, मरीजों का दबाव बढ़ी जिसकी वजह से डाक्टरों के वेतन, स्टाइपेंड पर विचार करना आवश्यक है। इसी तरह देशभर में डीएम, एमसीएच और डीआरएनबी जैसे उच्चतम चिकित्सा डिग्रीधारी डॉक्टरों के लिए अलग कैडर, अलग वेतनमान और स्पष्ट करियर संरचना की गई है। छत्तीसगढ़ में आज भी इन सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के लिए कोई अलग व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति न केवल नीति की कमी को दर्शाती है, बल्कि प्रतिभा के पलायन को भी बढ़ावा दे रही है।

जिन डॉक्टरों ने वर्षों की कठिन पढ़ाई और प्रशिक्षण के बाद सुपर स्पेशलिटी डिग्री हासिल की है, उन्हें न तो उनके कौशल के अनुरूप पद मिल रहा है और न ही वेतन। कई मामलों में डीएम, एमसीएच और डीआरएनबी डॉक्टरों को सामान्य स्पेशलिस्ट के समान वेतन पर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यह न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि राज्य के लिए दीर्घकालिक नुकसान का कारण भी है।

टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई, ठेकेदार पर जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन 9 क्षेत्र में पानी टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई के मामले में जोन कमिश्नर ने कार्रवाई की है। इस मामले में संबंधित टैंकर ठेकेदार पर जुर्माना लगाया है। कमिश्नर ने बताया कि जिस टैंकर से पानी की सप्लाई की गई थी वह निजी ठेकेदार द्वारा भेजा गया था। टैंकर पुराना होने के साथ उसकी सफाई भी नहीं हुई थी। इस कारण से टैंकर को बदलकर नया टैंकर से पानी की सप्लाई की गई। उन्होंने इस मामले में ठेकेदार को चेतावनी भी दी है कि भविष्य में पानी परीक्षण कर ही सप्लाई करें नहीं तो अनुबंध निरस्त किया जाएगा।

पर्यावरण को बचाने शादियों में पत्तलों से बनी थालियों और दोना का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

आधुनिकता की अंधी दौड़ में जहां बड़े शहरों में प्लास्टिक और थर्माकोल की डिस्पोजल थालियों का चलन बढ़ता जा रहा है, वहीं मैनपुर का आदिवासी वनांचल एक अलग ही मिसाल पेश कर रहा है। इन दिनों शादियों की धूम के बीच, मैनपुर के लोग पर्यावरण को बचाने और अपनी परंपरा को जीवित रखने के लिए 'माहुल' और 'साल' के पत्तों से बनी थालियों और दोनों का उपयोग कर रहे हैं। यहाँ शादियों में हज़ारों लोगों को भोजन कराने के लिए पत्तल ही पहली पसंद बने हुए हैं। मैनपुर के ग्रामीणों के लिए जंगल सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यहाँ के लोग अपनी संस्कृति पर गर्व करते हैं। ग्रामीण अपने आस-पास के जंगलों से पत्ते चुनकर लाते हैं और घर पर ही पत्तल-दोने तैयार करते हैं। इसके दो बड़े फायदे हैंः पहला, यह पूरी तरह से इको-फ्रेंडली है और दूसरा, इसमें कोई खर्च नहीं होता। गरीब हो या अमीर, यहाँ सामूहिक भोज में पत्तों की थालियों में भोजन परोसना आज भी शान और स्वास्थ्य की निशानी माना जाता है।

प्लास्टिक एक खतरा, तो पत्तल है समाधान9 ग्रामीणों का कहना है कि शहरों में पॉलीथिन कोटिंग और थर्माकोल के उपयोग से पर्यावरण को जो नुकसान हो रहा है, वह चिंताजनक है। इसे साफ करने में पानी की तरह पैसा बहाया जाता है। वहीं दूसरी ओर, पत्तल के उपयोग से न कोई कचरा फैलता है और न ही प्रदूषण।

आधुनिकता के दौर में मैनपुर की अनूठी मिसाल

विदेशों में भी बढ़ी पत्तलों की मांग- मैनपुर के लोगों की यह सोच अब वैश्विक स्तर पर भी साबित हो रही है। हाल के एक सर्वे के अनुसार, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने के कारण विदेशों में भी पत्तों से बने पात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है। जर्मनी की कंपनी 'लीफ रिपब्लिक' इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रही है, जो यह साबित करता है कि मैनपुर की यह 'आदिम परंपरा' भविष्य का सबसे आधुनिक और सुरक्षित समाधान है।

आदिम संस्कृति की पहचान है वनोपज

मैनपुर में पत्तों का उपयोग सिर्फ भोजन तक सीमित नहीं है। यहाँ की जीवनशैली वनों पर ही टिकी है। वनांचल में आज भी पत्तों से बनी 'खुमरी' (बारिश से बचने वाली छतरी), अनाज रखने के पात्र 'बेदा' और 'डोलंगी' का इस्तेमाल होता है। यह परंपरा सदियों पुरानी है, जिसे आज की पीढ़ी भी पूरी शिद्दत से निभा रही है। ठेंमली के जनपद सदस्य सुखचन्द्र धुरव, गोविन्द ध्रुव, फरस राम, सहदेव ध्रुरव और बुधराम सोरी ने बताया कि, हमारे क्षेत्र में ग्रामीण शादी-विवाह व अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यों में पत्तों से बनी थालियों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। हम लोग थर्माकोल और प्लास्टिक का उपयोग बहुत कम करते हैं, क्योंकि यह न केवल हमारी संस्कृति के खिलाफ है, बल्कि पर्यावरण और सेहत के लिए भी हानिकारक है।

जयंती : अभनपुर में भव्य शोभायात्रा के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

ब्राह्मण समाज सनातन संस्कृति का आधार : गणेश शंकर मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर अभनपुर में ब्राह्मण समाज द्वारा एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस उत्सव में समाज के बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईएएस व नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा शामिल हुए। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए भगवान परशुराम के जीवन दर्शन और सनातन धर्म में ब्राह्मणों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान परशुराम की लड़ाई क्षत्रियों से नहीं, बल्कि ऐसे राजाओं से थी जो अत्याचार करते थे। उन्होंने वामपंथी विचारधाराओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे ब्राह्मण समाज को इसलिए निशाना बनाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि यदि ब्राह्मण को समाप्त कर दिया गया, तो सनातन संस्कृति को खत्म करना आसान होगा। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कहा कि जब विदेशी आक्रमणकारियों ने नालंदा को जलाया था, तब भी ब्राह्मणों की मेधा शक्ति ने ही सनातन संस्कृति को सुरक्षित रखा। आज के समय में उन्होंने समाज को आत्मचिंतन की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ते आकर्षण के कारण हम अपनी परंपराएं और संस्कार खो रहे हैं। अनुशासन और मेहनत के बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने परिवार टूटने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए युवाओं को संस्कारों से जुड़ने का आह्वान किया।

बुराइयों का अंत ही परशुराम जयंती का उद्देश्य : शशिकांत

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे 'मार्कफेड' के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि परशुराम जयंती अत्याचारों से मुक्ति और बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने सभी सामाजिक बंधुओं से एकजुट होकर समाज में सौहार्द और एकता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के अवतारों के उत्सव में शामिल होकर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिन्होंने भगवान परशुराम की जीवनी पर अपने विचार रखे। इनमें प्रमुख रूप स इन्द्रकुमार साहू क्षेत्रीय विधायक, उत्रसेन गहिरवारे नपाध्यक्ष, ललित मिश्रा ब्राम्हण समाज प्रदेशाध्यक्ष,
संगीता शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा, राकेश तिवारी समाज अध्यक्ष, संजय मिश्रा और चंद्ररमण शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी)। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी शोभायात्रा में शामिल समाजजनों ने जय परशुराम के जयघोष से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

गरीबों को तीन महीने का चावल व निराश्रितों को 5 माह से पेंशन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

आदिवासी विकास खण्ड छुरा के ग्राम मडेली में 9 मई 2025 को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार मनाने के लिए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि छुरा अंचल में अब बिजली कटौती लो वोल्टेज की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। 132 के व्ही सब स्टेशन के लिए 75 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे रहा हूं। आज एक वर्ष होने जा रहा है छत्तीसगढ़ शासन के बजट में कहीं नजर नहीं आया। आज दो साल से महतारी वंदन योजना में हजारों की संख्या में छुटे हुए माताओं को जोड़ने के लिए पोर्टल खोला नहीं गया है। पांच महीने से निराश्रितों, वृद्धा पेंशन योजना की राशि बेसहारों को नहीं मिल रहा है। चांवल उत्सवों में तीन महीने का चांवल वितरण की बात करना विष्णुदेव सरकार ने आदिवासी क्षेत्र की जनता को सफेद झूठ परोस कर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का लच्छेदार भाषण देने में अव्वल है। आज सामान्य परिवार पांच डिसमिल से कम जमीन नहीं खरीद सकते यह हिटलरशाही तुगलकी कानून है। राजिम विधायक रोहित साहू ने नगर पंचायत चुनावी सभा में सीने ठोककर कहा था छुरा गरियाबंद मार्ग चौड़ीकरण कार्य शीघ्र होगा। कांग्रेस नेता पार्षद हरिश यादव ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी उजागर होने लगा है सरकार कंगाल हो चुका है पंचायतों में कोई काम नहीं है। वहीं नगर पंचायत छुरा के वरिष्ठ पार्षद व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सलीम मेमन ने कहा कि महतारी वंदन केवाईसी के नाम से महिलाओं को परेशान किया जा रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे बुजुर्ग की मौत

महासमुंद। ग्राम बोड़ेसरा के छोटे नाला के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 23 अप्रैल की करीबन 07 बजे हुकुम पटेल पिता रामसाय पटेल (62 वर्ष) निवासी बोड़ेसरा अपनी बाड़ी से घर की ओर पैदल जा रहा था। जब वह छोटे नाला के पास पहुंचा था, तभी सारंगढ़ की ओर जा रहे अज्ञात मोटर सायकल के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर हुकुम पटेल को पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, घटना में हुकुम पटेल को गंभीर चोटें आई और जिसे सरायपाली के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्राप्त कर 18 युवतियों ने शुरू किया स्वयं का रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिले की 23 युवतियों को 16 मार्च 2026 तक 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होते ही युवतियों को कार्य के अवसर मिलने लगे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। प्रशिक्षण प्राप्त 23 युवतियों में से 18 युवतियों ने तत्परता दिखाते हुए स्वयं का ब्यूटी पार्लर कार्य प्रारंभ कर दिया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, स्किन केयर एवं ब्राइडल मेकअप सहित विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान दिया गया। शादी के इस सीजन में प्रशिक्षित युवतियों को लगातार ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है तथा वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं। प्रशिक्षण प्राप्त हितग्राही प्रियंका साहू, रामहीन, पूजा, धनेश्वरी, गीता एवं मोनिशा ने बताया कि वे अपने-अपने ग्राम स्तर पर ब्यूटी पार्लर का संचालन कर रही हैं और उन्हें निरंतर कार्य मिल रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। हितग्राहियों ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रदान किया गया प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है तथा इसमें आवासीय सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

राजिम में अब बनेगा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अपना भवन, धनेन्द्र साहू ने रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के भवन निर्माण का भूमिपूजन पीसीसी के पूर्व चीफ धनेन्द्र साहू के हाथों हुआ। वे पांच कुदाल चलाकर रायपुर मार्ग पर फूलचंद कॉलेज के पास कांग्रेस भवन के लिए प्रस्तावित भूमि का विधिवत पूजन किया। यह भवन पार्टी कार्यकर्ताओ एवं जन सहयोग से निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष धनराज मध्यानी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष चन्द्रहास साहू ,जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सौरभ शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष जीत सिंह, नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष संध्या राव ,नवापारा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, नवापारा ब्लाक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष गिरधारी साहू, ब्लाक कमेटी के पूर्व महामंत्री राजा चांवला,मंगराज सोनकर, महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष दीपाली राजपूत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गोलछा, संतोष विश्वास, शिखरचंद बाफना, पार्षद अजय साहू, रामरतन निषाद, अर्जुन साहू, टिकेश्वर गिलहरे, फागू देवांगन, तरुण कंसारी, हेमन्त साहनी, अनुप खरे, चतुर जगत, रेखा तिवारी, सचिन बंगानी, सुनील जैन, रूखमणी साहू, सुरेन्द्र साहू ,बीरबल राजपूत, वीरेन्द्र राजपूत, निर्माण यादव, शाहिद रजा, राकेश सोनकर, सौरभ सोनी, अहमद रिजवी, दाऊराम साहू, शेखर साहू, प्रदीप साहू, अजय गाड़ा, अशोक यादव, विजय तारक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान पीसीसी के पूर्व चीफ धनेंद्र साहू ने विधिवत भूमि पूजन कर पांच कुदाल चलाते हुए भवन निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि यह भवन संगठन की मजबूती का प्रतीक बनेगा यहां नियमित रूप से बैठकें आयोजित कर पार्टी की आगामी रणनीतियों और रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील किया कि भवन निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सभी आपसी सहयोग और समन्वय के साथ काम करें।

पीएचई विभाग से की शिकायत मगर अब तक कोई समाधान नहीं निकला

40 हजार लीटर की टंकी बनी शो-पीस गर्मी में बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

अप्रैल के तपती गर्मी से हर कोई हलाकान है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ते जा रही है वैसे-वैसे जलस्तर बहुत तेजी के साथ नीचे गिरता चला जा रहा है। शहरीय एरिया के अलावा ग्रामीण एरिया में भी पानी की बहुत किल्लत देखने को मिल रही है। गरियाबंद जिले का सबसे बड़ा गांव पाण्डुका है जिसकी आबादी 2650 है। यहां की सरपंच सुश्री भानु ध्रुव ने शनिवार को फोन पर इस संवाददाता से चर्चा करते हुए बताया कि नल जल मिशन योजना के अंतर्गत नई टंकी बनने के बाद व नई पाईपलाईन का विस्तार शुरू होने पर उम्मीद जगी थी कि घर-घर पानी पहुंचेगा। लोगों को हैंडपंप और अन्य स्त्रोतों पर निर्भर नही रहना पड़ेगा, मगर नल जल मिशन योजना के ठेकेदार ने इस महत्वपूर्ण काम को अधूरा छोड़ दिया। हालात ये है कि लोगों को पर्याप्त पानी तो दूर इस 40 हजार लीटर क्षमता वाले नई टंकी से बूंद भर पानी तक नही मिल पा रहा है। सरपंच भानु ध्रुव का साफ कहना है कि गांव का विकास करना व मूलभूत सुविधाओं को ग्रामवासियों तक पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता है मगर ये तभी संभव हो पाएगा जब प्रशासनिक अफसर भी अपना सहयोग देंगे।

घरों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य अधूरा- सरपंच भानु ध्रुव ने बताया कि पाण्डुका में 3 नल टंकी है जिसमें से एक बहुत ही पुरानी टंकी है जो जर्जर अवस्था में है जिसका उपयोग वर्तमान में कर रहे है। इस टंकी का उपयोग बहुत जल्द बंद करेंगे क्योंकि ये कभी भी धराशायी हो सकता है। दो नल टंकी और भी है। एक टंकी का उपयोग कर रहे हैं और एक नई टंकी अभी बनकर तैयार हुई है। नई टंकी की क्षमता लगभग 40 हजार लीटर की है। सरपंच बतलाती है कि गांव में शीतला तालाब, पनखत्ती व नकटा तालाब है जहां पानी पर्याप्त है। लोगों के निस्तारी के काम भी आ रहा है मगर घरों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य अधूरा है। सरपंच का साफ कहना है कि यहां जल स्तर नीचे चला गया है। हर दो-तीन दिन में बोर मशीन बनवाना पड़ता है। एक साल में 5 से 6 नया बोर मशीन लग चुका है। ग्राम पंचायत में नया बोर खनन करने की आवश्यकता है। यहां 250-300 फीट बोर खनन होने पर ही भरपूर पानी निकलेगा जिसे लोगों के घरों तक पहुंचाएंगे।

गांव को शहर की तर्ज पर विकसित करना चाहती हूं- सरपंच का साफ कहना है कि राजिम-गरियाबंद मार्ग पर विधानसभा क्षेत्र राजिम के इस गांव पाण्डुका को शहर के तर्ज पर विकसित करना चाहती है। यहां चौपाटी का निर्माण हो। व्यवसायिक परिसर बने। तालाब सौंदर्यीकरण कराना, हर गली में सीसी रोड निर्माण हो। शासन-प्रशासन का भरपूर सहयोग उन्हें मिलेगा तो अवश्य ये सभी काम वे अपने कार्यकाल में जरूर कराएंगी। एक साल के कार्यकाल में सरपंच सुश्री भानु ने नाली निर्माण का काम शुरू कराया। मनरेगा के तहत 9 लाख रूपए में तालाब गहरीकरण कराया। कुछ जगहों पर सीसी रोड निर्माण का काम चल रहा है। सरपंच भानु का सपना है कि वे अपने कार्यकाल में ऐसे काम पाण्डुका में कराना चाहती है जो आने वाली पीढ़ी को याद रहे।

पेज 11 के शेष...

विधायक साहू ने...

पहुंचे। लक्ष्मण झूला स्थल नदी किनारे से 100 फीट सड़क का निर्माण कार्य हो रहा है जो चौबेबांधा के नवीन मेला स्थल के साथ जुड़ेगा। राजिम के लिए यह सबसे बड़ा ऐतिहासिक काम है। इसके बन जाने से नए मेला मैदान तक जाने के लिए सीधा एक और मार्ग जुड़ जाएगा जो श्री राजीव लोचन मंदिर, श्री कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर से कनेक्टविटी रहेगा। यह सुगम रास्ता कहलाएगा। विधायक श्री साहू खूब चौड़ा बन रहे सड़क के काम को देखकर संतोष जताया और ठेकेदार व विभागीय अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि इस काम को प्राथमिकता में रखकर बारिशकाल के पहले पूरा करें। मालूम हो कि यह सड़क मेला के दौरान आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। नदी किनारे विकसित हो रही इस सड़क से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद भी लोगों को मिलेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क के किनारे सौंदर्यीकरण कार्य को भी प्राथमिकता दी जाए और क्षेत्र को आकर्षक स्वरूप दिया जाए जो बेहतर सुविधाएं के साथ विकसित हो। इसके पश्चात विधायक श्री साहू शीतला तालाब पहुंचा, जहां तालाब गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और प्रस्तावित गार्डनिंग कार्य हो रहा है।

अप्रैल के अंतिम सप्ताह...

किल्लत का सीधा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है, जो मध्यम या निम्न बजट में शादियां करना चाहते हैं। संचालकों के बढ़े हुए रेट ने उनके लिए शादियों का प्रबंधन करना मुश्किल कर दिया है। कुल मिलाकर, अप्रैल का यह सप्ताह गरियाबंद के लिए उत्सव भरा है, जहां एक ओर शादियों की चमक-धमक है, तो दूसरी ओर व्यवस्थाओं को लेकर एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हो गई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सीएमओ ने पानी की बोतलें भेंट कर बढ़ाया कर्मचारियों का हौसला

मैनपुर। आगामी जनगणना 2027 की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है और इसके लिए लगातार प्रशिक्षण चल रहा है भीशण गर्मी में जनगणना के कार्य में लगे प्रगणक 01 मई से घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना कार्य में लगे शिक्षक एवं कर्मचारियों को नगर पंचायत देवभोग के मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुष्यंत साहू ने ग्राम गोहेकेला पहुंचकर पानी का बाटल वितरण किया है ताकि गर्मी के दिनों में उन्हे राहत मिल सके। सीएमओ दुष्यंत साहू ने सभी कर्मचारियों पानी का बाटल भेट करते हुए उन्हे अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने भी कहा है।

रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी में सौरभ शर्मा बने महामंत्री

नवापारा-राजिम। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता सौरभ शर्मा को रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी में महामंत्री नियुक्त किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल व्याप्त है। उनकी इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर पार्टी

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह जताते हुए इसे संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया है। सौरभ शर्मा की नियुक्ति पर पीसीसी के पूर्व चीफ धनेंद्र साहू, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष चन्द्रहास साहू, पूर्व उपाध्यक्ष जीत सिंह, नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष संध्या राव ,नवापारा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, नवापारा ब्लाक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष गिरधारी साहू, ब्लाक कमेटी के पूर्व महामंत्री राजा चांवला, मंगराज सोनकर, महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष दीपाली राजपूत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गोलछा, संतोष विश्वास, शिखरचंद बाफना, पार्षद अजय साहू, रामरतन निषाद, अर्जुन साहू, टिकेश्वर गिलहरे, फागू देवांगन, तरुण कंसारी, हेमन्त साहनी शुभकामनाएं दी हैं।

महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा कर रही राजनीति : गेंदु

मैनपुर। महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा द्वारा लगातार झूठा भ्रम फैलाया जा रहा है जबकि सच्चाई यह है कि भाजपा महिला आरक्षण नही परिसिमन बिल पास कराना चाह रही थी महिला आरक्षण बिल 2023 में पास हो चुका है। महिला

आरक्षण के नाम पर केन्द्र की भाजपा सरकार राजनीति कर रही है। उक्त बाते ब्लॉक कांग्रेस मैनपुर महामंत्री गेंदु यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। श्री यादव ने कहा केन्द्र सरकार महिलाओ के नाम पर राजनीति कर रही है और वास्तविक सशक्तिकरण के बजाय जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री यादव ने कहा भाजपा सरकार कांग्रेस और विपक्ष को बदनाम करने इस तरह मुद्दे को भटका रहा है जिसे देश की जनता भलीभांति जान रहे है।

समस्या : रबी फसल की कटाई के मुहाने पर, सिंचाई के अभाव में बर्बाद हो रही

अंचल में लो वोल्टेज और कटौती से किसान से व्यापारी तक त्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

छुरा क्षेत्र इन दिनों बिजली की लचर व्यवस्था के कारण भारी संकट से जूझ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली की आंख-मिचौली और लो-वोल्टेज की समस्या ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। न केवल घरेलू उपभोक्ता और व्यापारी परेशान हैं, बल्कि रबी फसल की कटाई के मुहाने पर खड़े किसानों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। क्षेत्रवासियों में नाराजगी का सबसे बड़ा कारण शासन की उपेक्षा है। मडेली में आयोजित 'सुशासन तिहार' के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छुरा क्षेत्र में बिजली की समस्या के स्थायी समाधान के लिए 75 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी सबस्टेशन निर्माण की बड़ी घोषणा की थी। उम्मीद थी कि इससे क्षेत्र की बिजली समस्या खत्म हो जाएगी, लेकिन एक वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी परियोजना कागजों तक ही सीमित है। काम शुरू न होने से क्षेत्र के लोगों में भारी असंतोष व्याप्त है।

- घोषणा के एक साल बाद भी नहीं मिला समाधान

बिजली के बिना दम तोड़ रही दिनचर्या

गर्मी का पारा बढ़ते ही बिजली की स्थिति और भी बिगड़ गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रात के समय वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे और कूलर मात्र शो-पीस बनकर रह जाते हैं। भीषण उमस और गर्मी के कारण लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। दिन में बार-बार की अघोषित कटौती से छोटे व्यापारियों का काम-धंधा ठप पड़ा है, जिससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

प्रयास किया जा रहा

छुरा के सहायक अभियंता उमेंद्र दीवान ने कहा की विभाग पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

किसानों पर दोहरी मार

सबसे भयावह स्थिति किसानों की है। वर्तमान में रबी की फसल पककर तैयार होने की स्थिति में है, जिसे अंतिम समय में पानी की सख्त जरूरत है। बिजली की अनियमित आपूर्ति और लो-वोल्टेज के कारण बोरवेल और पंप नहीं चल पा रहे हैं। खेतों में सिंचाई न हो पाने के कारण फसल सूखने की कगार पर है। किसानों का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो उन्हें भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ेगी। बिजली विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि गर्मी बढ़ने के कारण बोरवेल और पंपों का लोड अत्यधिक बढ़ गया है, जिससे वितरण तंत्र पर दबाव पड़ रहा है और लो-वोल्टेज की समस्या पैदा हो रही है।

ललचाने लगी गंगा इमली

मैनपुर। मैनपुर क्षेत्र मे गंगा इमली का फल पक्क कर तैयार हो चुका है। गर्मी के इन दिनों में बच्चे गंगा ईमली पेड के आसपास इसे खाने आसानी से दिखाई दे रहे है दिखने में काफी सुन्दर और पोट्रीन और वसा आदि तत्व से भरपूर इस फल को लोग चाव से खाते है।

बोड़की में पंचायतीराज दिवस मनाया गया

छुईहा बेलर। ग्राम पंचायत बोड़की के ग्राम पंचायत भवन में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस शुक्रवार को बड़े ही हर्षोल्लास एवं पंचायत प्रतिनिधियों ग्रामवासियों की गरिमामय उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। पंचायत सचिव गोवर्धन सेन ने उपस्थित गणमान्य नागरिक, सरपंच, उपसरपंच, पंच एवं लखपति दीदियों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच नेतराम सिन्हा उपस्थितियों के बीच कहा कि पंचायती राज व्यवस्था देश के लोकतंत्र की आधारशिला है। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में स्वशासन को सशक्त बनाती है तथा गांव के विकास में जनभागीदारी सुनिश्चित करती है। उन्होंने बताया कि पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को निर्णय लेने का अधिकार मिलता है, जिससे गांव का समग्र विकास संभव हो पाता है। सिन्हा ने आगे कहा कि पंचायत केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि यह सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास का केंद्र है। साथ ही उन्होंने गिरते भूमिगत जल स्तर मे सुधार लाने के लिए प्रत्येक घर वाटर हार्वेस्टिंग या सोखता गढ्ढा बनाने की अपील की है, इसमें प्रत्येक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। इस मौके पर सरपंच नेतराम सिन्हा, उपसरपंच लेखराम साहू, पंच भोज साहू, भूषण साहू, चुम्मन साहू, हेमलाल कमार, छात्रानी साहू, मोना ध्रुव, रतनीबाई ध्रुव, ललिता ध्रुव, लता ध्रुव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला समूह की दीदियां एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक गण उपस्थित थे।

आरक्षण के नाम पर फैलाया जा रहा भ्रम : कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिलास्तरीय पत्रकार वार्ता में महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला बोला। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ महिला पदाधिकारी डॉ. रश्मि चन्द्राकर ने स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक महिला आरक्षण के मुद्दे पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त कर चुका है और अब यह कानून बन चुका है। इसके बावजूद इसे लागू नहीं करना सरकार की नीयत पर संदेह पैदा करता है। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह यह झूठा प्रचार कर रही है कि विपक्ष के विरोध के कारण महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो पाया, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि जब कानून बन चुका है तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि बिना परिसीमन का इंतजार किए वर्तमान सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सकता है, लेकिन सरकार जानबूझकर इसे टाल रही है। पत्रकार वार्ता में 16 अप्रैल 2026 को संसद में प्रस्तुत 131वें संविधान संशोधन विधेयक का भी जिक्र किया गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस विधेयक का सीधा संबंध महिला आरक्षण से नहीं है, बल्कि इसके जरिए परिसीमन संशोधन और केंद्र शासित प्रदेशों के कानूनों में बदलाव का प्रयास किया जा रहा है। प्रस्ताव में लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 करने की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने कहा कि जब 2026-27 में नई जनगणना प्रस्तावित है और सरकार खुद जातिगत जनगणना की बात कर रही है, तो 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना उचित नहीं है। नई जनगणना के बाद ही यह प्रक्रिया होनी चाहिए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा सहित कई महिला एवं पुरुष पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस और विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब : कश्यप

मैनपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करके कांग्रेस और विपक्षी दलो ने साबित कर दिया कि वे महिला विरोधी है उक्त बाते पत्रकारो से चर्चा करते हुए जिला पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने कही। श्री कश्यप ने आगे कहा की देश की महिलाओं को लोकसभा व विधानसभाओं में उनका 33 प्रतिशत नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम लाया गया था देशभर की मातृशक्ति में इस अधिनियम को लेकर काफी उत्साह था लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि हमारी माता-बहनों की खुशी कांग्रेस व विपक्षी दल के महिला विरोधी राजनीतिक चरित्र के चलते साकार नहीं हो पाई इंडिया गठबंधन ने इसमें अवरोध उत्पन्न करके नारी शक्ति के साथ घोर अन्याय करने का पाप किया है। जिला अध्यक्ष श्री कश्यप ने आगे कहा नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का विरोध कर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने न केवल इसे पारित होने से रोका बल्कि देश की आधी आबादी महिलाओं के अधिकारों का विरोध कर उनका हक छीना है।

सशिमं का परीक्षा परिणाम घोषित बच्चों को गोद लेने वाले का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुरा में स्थानीय कक्षा अरुण, उदय,प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, षष्ठ, सप्तम, नवम, कादश के परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती, ॐ, भारतमाता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि राहुल शर्मा पूर्व छात्र-सफल व्यवसायी छुरा, अध्यक्ष-शीतल ध्रुव समाजसेवी, विशेष अतिथि यीतेश पटेल पूर्व छात्र-सफल व्यवसायी छुरा ,स्थानीय समिति के व्यवस्थापक संतोषी यादव ,अध्यक्ष-विजय गुप्ता उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिन बच्चों का परीक्षा में स्थान नहीं बना, उन्हें निराश न होकर और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है, जिनका स्थान बना है,उन्हें बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत का फल कभी व्यर्थ नहीं जाता। शीतल ध्रुव ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सनातन संस्कृति की रक्षा का कार्य सरस्वती शिशु मंदिर छुरा में विशेष रूप से हो रहा है ,यहां पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार को विशेष महत्व दिया जाता है। इस अवसर पर कुछ पूर्व छात्रों खुमेश सिन्हा, प्रशांत चंद्राकर, राहुल शर्मा एवं उनके साथी द्वारा विद्यालय के कुछ बच्चों को आर्थिक सहयोग प्रदान करके बच्चों को पढ़ाया जा रहा है , जो बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है । शासकीय विद्यालय पेंड्रा के शिक्षक संतोष ध्रुव द्वारा भी बच्चों के पुरस्कार के लिए 3000 की राशि सहर्ष प्रदान की गई है इस अवसर पर विद्यालय के अधिकांश भैया, बहिन, अभिभावक एवं आचार्य परिवार में संतोष वर्मा, टीकम मरकाम, किरण वर्मा, सेवक निषाद, ओम डहरिया टोमन ठाकुर, होरीलाल साहू, मनोज निर्मलकर ,भारती यादव ,मैंनाज अलका सिंन्हा, कविता यदु, टेकेश्वरी तारक, निधिका शाह, राहुल सिन्हा ,कुंती साहू ,गणेशु निषाद ,रेखा सोरी ,यशोदा साहू, रश्मि सारडा, हेमलता नाग ,डिगेश्वरी यदु, हेमू भारती थमेश मरकाम उपस्थित रहे ।अध्यक्ष , व्यवस्थापक द्वारा बच्चों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

सशिमं के छात्र पूर्वांश सिन्हा ने किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा तृतीय के छात्र पूर्वांश सिन्हा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर पूर्वांश ने कक्षा में अव्वल स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। पूर्वांश सिन्हा, क्षेत्र के प्रसिद्ध योगाचार्य मिथलेश सिन्हा के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने भी पूर्वांश की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय के प्राचार्य संतोष वर्मा एवं आचार्य दीदियों ने बताया कि पूर्वांश एक मेधावी एवं अनुशासित छात्र हैं, जो पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहते हैं। उनकी इस सफलता से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर दादा ईश्वर सिन्हा,दादी एलिका सिन्हा मां नर्मदा सिन्हा, अल्का सिन्हा, गुड़िया रुद्रांशी सिन्हा, मामा फलेश्वर डंडसेना, बुआ ललिता सिन्हा, लता सिन्हा, सीमा सिंह, मोनालिसा, पुनीत राम ठाकुर, चंद्रकांत यादव, लालू राठौर, पुष्पराज साहू, परिजनों, मित्रों ने पूर्वांश को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

शिक्षक जगन्नाथ ध्रुव को दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा

संकुल केंद्र छुईहा के अंतर्गत प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द के शिक्षक जगन्नाथ ध्रुव को शनिवार को सेवानिवृत्ति के अवसर पर हाई स्कूल हॉल में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों और ग्रामीणों की आंखें नम थीं। सेवानिवृत्त शिक्षक को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट कर उनकी वर्षों की सेवाओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। विदाई समारोह के अवसर वक्ताओं में विकास खंड शिक्षा अधिकारी हेमन्त साहू ने कहा की गुरु का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता। आपने जो ज्ञान, अनुशासन और संस्कार दिए हैं, वे सैकड़ों बच्चों का भविष्य संवारेंगे। आपके स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन की कामना करता है। कार्यक्रम संचालक उद्घोषक शिक्षक आशाकांत रजक ने कहा की आपने विद्यालय को केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, संस्कारों की पाठशाला बनाया। आपकी मेहनत से शाला का परीक्षा परिणाम लगातार बेहतर हुआ और बच्चों में पढ़ने की ललक जगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त शिक्षक जगन्नाथ ध्रुव अध्यक्षता विकास खंड शिक्षा अधिकारी हेमन्त साहू, विशिष्ट अतिथि सेवा निवृत्त शिक्षक ढेलू राम सिन्हा, सेवा निवृत्त प्राचार्य दुर्गा राम सिन्हा, खंड स्त्रोत समन्वयक सुभाष शर्मा, कार्यक्रम मंच संचालक आशांका रजक, गिरवर यादव, योगेश साहू, गिरीश साहू, खोमन गुरुजी, भागीरथी सिन्हा, कमलेश साहू, मनी राम नेताम, शेष ध्रुव, वीरेंद्र पवार उपस्थित रहे।

गर्मी के तेवर से लोग परेशान, कूलर, पंखा भी नहीं चल पा रहा

पारा 41 डिग्री के पार, लू और बीमारियों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

भीषण गर्मी और तेज धूप ने अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में ही जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। तेज धूप ने लोगों की परेशानियो बढ़ा दी है, डिहाईड्रेशन चक्कर आना, सिर दर्द, थकान कमजोरी की समस्या बढ़ गई है। वहीं लगातार धूप रहने लू लगने हिट स्ट्रोक का खतरा बना हुआ है। त्वचा में जलन की शिकायते भी सामने आ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना दैनिक मजदूरी करने वाले जैसे दैनिक जीवन यापन के लिए खुले में काम करते खेतों में काम करने वाले, निर्माण कार्य में लगे श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर उनके लिए गर्मी और भी ज्यादा कठिन साबित हो रही है। तेज धूप में लंबे समय तक काम करने के कारण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है लू लगने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय चिकित्सक डॉ. गजेन्द्र ध्रुव ने बताया की इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होने लोगों को ज्यादा से ज्यादा पानी पीने घर से बाहर निकलते समय कान सिर को ढ़कने के साथ ही ज्यादा पानी पीने की सलाह दे रहे है। गर्मी से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। आज शनिवार को तेज धुप व गर्मी के साथ दिन का तापमान 41 डिग्री के ऊपर पहुंच गया।

अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की भीड़

लू के डर से तरह तरह के उपाय कर रहे है। लोग जेब में प्याज लेकर चल रहे है गर्मी का विपरित असर लोगों के सेहत पर पड़ रहा है अस्पतालों में लू के मरीज के साथ सिर दर्द, बुखार, उल्टी दस्त के मरीजो की संख्या बढ़ गई है। छोटे -छोटे बच्चों के शरीर में घमोर्री से परेशान हो रहे है। कुलर, पंखा की मांग बढ़ी लगातार तेज धुप और गर्मी के कारण अब लोग कुलर पंखा खरीदी करने बाजार पहुंच रहे है इस वर्श पड़ रही तेज गर्मी के कारण नगर व क्षेत्र में कुलर, पंखा की जमकर बिक्री हो रही है।

हवा के गर्म थपेड़ों से लोग बेहाल- वनांचल क्षेत्र में भी सुबह से तेज धुप और सूर्य के तीखे तेवर गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। लोग उमस भरी गर्मी पसीना की चिपचिपी के चलते परेशान हो गए हैं, सीजन में पहली बार मैनपुर का अधिकतम तापमान लगभग आज 41 डिग्री के करीब पहुंचा तो लोगों को लगा कि जैसे गर्मी में जान ही निकल जाएगी, दोपहर में गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को मुश्किल में डाल रखा है। गर्मी व उमस इतनी ज्यादा कि फ्रिज में रखा हुआ दूध भी खराब होने लगा है, जो अब तक पुराने कूलर के सहारे गर्मी गुजारने वाले थे वे अब नए कूलर लेने बाजार पहुंच गए है, सुबह से लेकर रात तक लोग गर्मी से बेहाल हो रहे है, सुबह से ही सुरज कि किरणे तीखी हो गई तेज धूप से लोगों के त्वचा में जलन महसूस होने लगी है, सुबह 8 बजे ही गर्मी ऐसे लगने लगा कि जैसे दोपहर के 12 बजे हो सुबह 11 बजे ही तापमान 40 डिग्री को पार गया था दोपहर 2 बजे मैनपुर का तापमान 41 डिग्री के उपर पहुंच गया तो अब तक के सर्वाधिक तापमान है।